रणजीत टाइम्स
इंदौर
गुरुवार, 14 मई, 2026
वर्ष 02 | अंक 119 कुल पृष्ठ : 8 | Digital
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

एमएसपी पर मोदी सरकार ने लिया बड़ा फैसला

किसानों को तोहफा, मिलेंगे 260000 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने बुधवार को किसानों को बड़ा तोहफा दिया। खरीफ फसल पर मिलने वाले मिनिमम सपोर्ट प्राइस (एमएसपी) को सरकार ने बढ़ा दिया है। इसके लिए किसानों को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 2,60,000 करोड़ रुपये दिए जाएंगे। बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में इसका फैसला लिया गया। इस मीटिंग में कुल 4 बड़े फैसले लिए गए। इसके बारे में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी। दूसरा बड़ा निर्णय कोल गैसिफिकेशन स्कीम से जुड़ा है। सरकार ने इस स्कीम के लिए 37,500 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इस स्कीम का उद्देश्य साल 2030 तक कोयले से 100 मिलियन टन गैस का उत्पादन करना है। वहीं तीसरा निर्णय गुजरात के सरखेज और ढोलेरा के बीच हाई स्पीड ट्रेन डबल लाइन से जुड़ा रहा। इसके लिए सरकार ने 20,667 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। चौथा फैसला नागपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जुड़ा है।

किसानों को मिलेगी राहत

खरीफ सीजन की फसल पर एमएसपी बढ़ाने से किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। मौसम की मार और वैश्विक तनाव के कारण किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। ऐसे में सरकार का यह कदम किसानों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। कैबिनेट में कुल 14 खरीफ फसलों पर एमएसपी को बढ़ाया है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी सूरजमुखी के बीजों पर की गई है। इस पर एमएसपी बढ़ाकर 622 रुपये प्रति क्विंटल कर दी गई है।

सेमी हाई स्पीड रेलवे लाइन

सरखेज और ढोलेरा के बीच 20,667 करोड़ रुपये की लागत से सेमी हाई स्पीड ट्रेन की डबल लाइन बनाई जाएगी। इस लाइन के पूरा होने से अहमदाबाद और ढोलेरा के बीच कनेक्टिविटी तेजी होगी। इससे ढोलेरा में बनने वाले एयरपोर्ट के यात्रियों को भी फायदा होगा। इसके 2030-31 तक पूरा होने का लक्ष्य रखा गया है।

सीएम ने लाड़ली बहनों को दे दिया तोहफा

- गोटेगांव से 1835 करोड़ रुपए की राशि की जारी

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की 36वीं किस्त जारी की। इस दौरान प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में 1835 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की गई। सरकारी जानकारी के अनुसार योजना की पात्र 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 महिलाओं को कुल 1835 करोड़ 67 लाख 29 हजार 250 रुपये की राशि ट्रांसफर की गई। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया।

सशक्त बन रहीं एमपी की लाडली बहनें

राज्य सरकार का कहना है कि मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुई है। नियमित आर्थिक सहायता मिलने से महिलाओं की घरेलू जरूरतों को पूरा करने में मदद मिल रही है और परिवार के निर्णयों में उनकी भागीदारी भी बढ़ी है। सरकार के मुताबिक योजना का असर ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में देखने को मिला है। महिलाओं ने योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जरूरतों पर किया है। इसके अलावा कई महिलाएं स्व-सहायता समूह, छोटे व्यवसाय और स्वरोजगार गतिविधियों से भी जुड़ रही हैं। योजना के तहत बैंक खातों में सीधे राशि भेजे जाने से महिलाओं की बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बढ़ी है।

विजय विधानसभा में भी साबित हुए सुपरस्टार

- 144 वोट के साथ बहुमत सरकार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में हाल ही में हुए चुनावों में मिली जीत के बाद विजय फ्लोर टेस्ट में भी पास हो गए हैं। मुख्यमंत्री विजय ने बुधवार को तमिलनाडु विधानसभा में विश्वास मत के लिए प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें टीवीके की गठबंधन

वाली सरकार को 144 विधायकों का समर्थन मिल गया है। गौरतलब है कि 234 सदस्यीय विधानसभा में विजय की सरकार को फ्लोर टेस्ट में पास होने के लिए 118 के आंकड़े की जरूरत थी। फ्लोर टेस्ट के दौरान सदन में हाई वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला जहां डीएमके ने वोटिंग से इनकार करते हुए विधानसभा से वॉकआउट कर दिया।

- खुलकर सामने आ गई एआईएडीएमके की दरार-फ्लोर टेस्ट के दौरान एआईएडीएमके की दरार भी खुलकर सामने आ गई। वेलुमणि के नेतृत्व वाले एआईएडीएमके के गुट ने विजय की पार्टी टीवीके को समर्थन दिया। इस दौरान वेलुमणि ने कहा है कि वे किसी मंत्री पद या लालच के लिए नहीं, बल्कि सरकार की स्थिरता के लिए समर्थन दे रहे हैं। वहीं इस बगावत से नाराज पलानीस्वामी ने मुख्यमंत्री विजय पर गंभीर आरोप लगाए।

किश्तवाड़ में आतंकी को पनाह देने वाला शिक्षक हुआ गिरफ्तार

- एक साथी भी पकड़ाया, पुंछ में घुसपैठ की कोशिश में एक आतंकी ढेर, एक घायल

किश्तवाड़ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा एजेंसियों ने सरकारी स्कूल के एक शिक्षक समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों पर जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों को पनाह, खाना और दूसरी मदद देने का आरोप है। गिरफ्तार शिक्षक की पहचान मशकूर अहमद के रूप में हुई है। वह इंदरवाल के एक सरकारी स्कूल में तैनात है। उसके खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, वह चटरू इलाके में आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देता था। यह मामला 4 फरवरी 2026 को डिच्छर-चटरू में हुए एनकाउंटर से जुड़ा है, जिसमें आतंकी आदिल मारा गया था। इधर, पुंछ के कृष्णा घाटी

सेक्टर में एलओसी पर बुधवार को घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी आतंकी को भारतीय सेना ने मार गिराया। उसके पास से आईएसआई से जुड़ा सामान बरामद किया गया है।

भारत के पास है 60 दिन का कच्चा तेल: पुरी

- *कहा-अगले 45 दिन का एलपीजी स्टॉक भी है जमा*
- *बोले-पीएम की बातों का मनगढ़ंत मतलब न निकालें*

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल, 60 दिन की एलएनजी और 45 दिन की एलपीजी का स्टॉक है। सप्लाई के मामले में कोई दिक्कत नहीं है। हरदीप पुरी ने दिल्ली में आयोजित सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में पीएम की बचत की अपील का भी जिक्र किया। पुरी ने कहा कि पीएम ने दो दिन पहले जो बातें कही हैं। उसको लेकर अफरा-तफरी मचाना बेकार है। पीएम की बातों को ध्यान से सुनें। उसका मनगढ़ंत मतलब न निकालें। दरअसल पीएम मोदी लगातार दो दिन लोगों से ईंधन और संसाधनों का कम इस्तेमाल करने की अपील कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो पेट्रोल डीजल का उपयोग कम करें और मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें। विदेशी यात्राओं से बचें। हरदीप पुरी ने समिट में कहा कि सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा सप्लाई में आई रुकावटों को बोझ आम जनता पर पड़ने नहीं दिया है। तेल कंपनियों को हर दिन 1,000

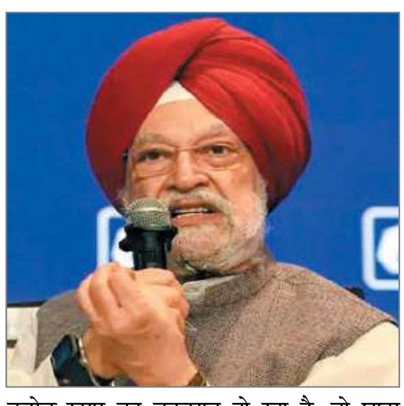

करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है, तो घाटा 1,98,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने वाला है। अगर आप तिमाही के आंकड़ों को देखें तो कुल नुकसान 1 लाख करोड़ रुपए का है। ऐसे में, आप इसे कब तक इसी तरह बनाए रख सकते हैं। तेल की कीमतें कहां पहुंच गई हैं। पहले यह लगभग 64 या 65 के आसपास हुआ करती थीं।

एलपीजी उत्पादन 36,000 से बढ़ाकर 54,000 मीट्रिक टन किया

हरदीप पुरी ने कहा- दुनिया की कुल ऊर्जा का 20 फीसदी हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से होकर आता था। हमारे कच्चे तेल के आयात का 85 प्रतिशत हिस्सा वहीं से आता था। लेकिन इससे भी ज्यादा जरूरी बात यह है कि हमारी एलपीजी यानी वह सिलेंडर वाली गैस जिसे आप अपनी रसोई में इस्तेमाल करते हैं। उसका लगभग 60 फीसदी हिस्सा होर्मुज स्ट्रेट से आता था। अब जब वह रास्ता बंद हुआ तो हमें इसके लिए इंतजाम करने थे। इस संकट से पहले, हमारा घरेलू एलपीजी उत्पादन रोजाना 35,000 या 36,000 मीट्रिक टन था। हमने अपने घरेलू उत्पादन को 36,000 से बढ़ाकर 54,000 मीट्रिक टन तक पहुंचा दिया। यह अपने आप में एक हैरान कर देने वाली उपलब्धि है।

पीएम मोदी की सोना न खरीदने की अपील पर भड़के सराफा कारोबारी

कांग्रेस ने व्यापारियों को बांटे 'मोदी छाप ताले' के पोस्टर

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से एक वर्ष तक सोना नहीं खरीदने की अपील के बाद सराफा कारोबारियों में चिंता बढ़ गई है। व्यापारियों का कहना है कि बाजार पहले से ही मंदी की मार झेल रहा है और ऐसे समय में इस तरह का बयान कारोबार को और कमजोर कर सकता है। इसी मुद्दे को लेकर बुधवार को कांग्रेस सेवादल का एक प्रतिनिधिमंडल इंदौर सराफा बाजार पहुंचा और व्यापारियों से चर्चा की। कांग्रेस सेवादल के कार्यकारी अध्यक्ष विवेक खंडेलवाल के नेतृत्व में मधुसूदन भालकी, गिरीश जोशी, आकाश निजामपुरकर और दीपक नागा सहित कई कांग्रेस नेता बाजार पहुंचे। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों को सांकेतिक रूप से 'मोदी छाप ताले' के पोस्टर भी भेंट किए।

कांग्रेस ने साधा केंद्र सरकार पर निशाना- व्यापारियों की समस्याएं सुनने के बाद कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर निशाना साधा। विवेक खंडेलवाल ने कहा कि देश पहले ही आर्थिक मंदी, बेरोजगारी और बाजार में घटती खरीद क्षमता जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री की यह अपील सराफा कारोबारियों के लिए बड़ा झटका साबित हो सकती है। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार व्यापार बढ़ाने और आत्मनिर्भर भारत की बात करती है, वहीं दूसरी तरफ करोड़ों लोगों को रोजगार देने वाले कारोबार को प्रभावित करने वाले बयान दिए जा रहे हैं। इससे बाजार में डर और अस्थिरता का माहौल बन रहा है।

नोटबंदी और जीएसटी का भी उठाया मुद्दा- खंडेलवाल ने कहा कि नोटबंदी और गलत जीएसटी व्यवस्था के बाद अब सराफा व्यापार पर 'मोदी छाप ताला' लगाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की आर्थिक नीतियों का असर सीधे छोटे व्यापारियों और उनके परिवारों पर पड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सराफा कारोबार से लाखों परिवारों की रोजी-रोटी जुड़ी हुई है। यदि बाजार में इसी तरह की अनिश्चितता बनी रही तो छोटे दुकानदारों और कर्मचारियों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो सकता है।

व्यापारियों ने भी जताई चिंता- सराफा व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष हुकम सोनी ने भी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि बाजार की स्थिति पहले से कमजोर है और कारोबार लगभग ठप पड़ा हुआ है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री का बयान व्यापारियों के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसका असर केवल व्यापारियों पर ही नहीं, बल्कि सरकार के जीएसटी राजस्व पर भी पड़ेगा। व्यापारियों का कहना है कि त्योहारी और शादी-विवाह के सीजन से पहले इस तरह के बयान से ग्राहकों में भ्रम की स्थिति बन सकती है, जिसका सीधा असर बाजार पर पड़ेगा।

कांग्रेस ने आंदोलन की दी चेतावनी- कांग्रेस सेवादल ने चेतावनी दी है कि यदि केंद्र सरकार व्यापारियों की समस्याओं को नजरअंदाज करती रही तो कांग्रेस इस मुद्दे को सड़क से लेकर सदन तक उठाएगी। नेताओं ने कहा कि सरकार को व्यापार और बाजार की वास्तविक स्थिति को समझते हुए ऐसे बयान देने से बचना चाहिए, ताकि कारोबार और रोजगार दोनों सुरक्षित रह सकें।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को रफ्तार : कलेक्टर ने किया इंदौर-खंडवा नेशनल हाईवे का निरीक्षण

दिसंबर 2026 तक पूरा होगा हाईवे निर्माण, जुलाई तक बनेगा भेरूघाट बायपास

इंदौर। आगामी सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए इंदौर-खंडवा नेशनल हाईवे (एनएच - 347बीजी) के निर्माण कार्यों को गति देने के उद्देश्य से कलेक्टर शिवम वर्मा ने बुधवार को हाईवे का विस्तृत स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर वर्मा ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सिंहस्थ-2028 की दृष्टि से इस परियोजना को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तेजी से कार्य पूर्ण किया जाए, ताकि यातायात व्यवस्था को सुगम और सुरक्षित बनाया जा सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में आने वाली किसी भी प्रकार की बाधा को तत्काल दूर किया जाए तथा एनएचएआई को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए, जिससे परियोजना निर्धारित समयावधि में पूर्ण हो सके। इस अवसर पर एनएचएआई इंदौर के प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रवीण यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि इंदौर-खंडवा नेशनल हाईवे परियोजना का संपूर्ण कार्य दिसंबर 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि भेरूघाट बायपास का निर्माण कार्य जुलाई 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। इसके पूर्ण होने के बाद घाट क्षेत्र में लगने वाले ट्रैफिक जाम से आमजन को बड़ी राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान एनएचएआई के तकनीकी अधिकारी एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ राजस्व अधिकारी भी उपस्थित रहे।

टीपीएस-4 योजना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई : प्रस्तावित मुख्य मार्ग से हटाए गए अवैध निर्माण, 30 से अधिक पक्के मकान जमींदोज

- **30 मीटर चौड़ी और 1100 मीटर लंबी सड़क निर्माण का रास्ता हुआ साफ**

इंदौर। शहर में विकास कार्यों को गति देने के लिए प्रशासन अब एक्शन मोड में नजर आ रहा है। मंगलवार को टी.पी.एस.-4 योजना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने प्रस्तावित मुख्य मार्ग पर किए गए अतिक्रमण को हटाया। कार्रवाई के दौरान राजस्व विभाग, नगर निगम और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम मौके पर मौजूद रही। यह कार्रवाई बायपास स्थित फीनिक्स सिटाडेल मॉल के उत्तरी हिस्से में की गई, जहां प्रस्तावित सड़क मार्ग पर अवैध रूप से पक्के मकानों का निर्माण कर अतिक्रमण किया गया था। प्रशासन ने जेसीबी और पोकलेन मशीनों की मदद से 30 से अधिक पक्के मकानों को जमींदोज कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, अभियान के तहत 30 मीटर चौड़ी और 1100 मीटर लंबी प्रस्तावित सड़क के लगभग 200 मीटर हिस्से को अतिक्रमण मुक्त कराया गया है। लंबे समय से बाधित इस मार्ग के साफ होने के बाद अब बायपास से झलारिया को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण का रास्ता खुल गया है।

प्रशासन का कहना है कि सड़क निर्माण पूर्ण होने के बाद क्षेत्र की यातायात व्यवस्था में सुधार होगा और आम नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा मिल सकेगी।

इंदौर में हंस ट्रैवल्स को बड़ा झटका: ट्रैफिक पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई, सीज बसों पर हाईकोर्ट का सख्त रुख

- कोर्ट ने कहा- भविष्य में सड़क पर बसें खड़ी कीं तो होगी कार्रवाई

इंदौर। शहर की यातायात व्यवस्था बिगाड़ने के आरोपों के बीच विवादित हंस ट्रैवल्स को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। सड़क पर अवैध रूप से बसें खड़ी करने के मामले में ट्रैफिक पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई के खिलाफ ट्रैवल्स संचालक अरुण गुप्ता हाईकोर्ट पहुंचे थे। हालांकि कोर्ट ने बसें छोड़ने के निर्देश तो दिए, लेकिन साथ ही भविष्य के लिए सख्त चेतावनी भी जारी की।

प्रशासन की कार्रवाई के बाद बढ़ा मामला- इंदौर में लंबे समय से आरोप लगते रहे हैं कि हंस ट्रैवल्स की बसें सड़कों पर अवैध रूप से खड़ी की जाती हैं, जिससे ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित होती है। जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस कई बार बसों को जब्त कर कार्रवाई कर चुके हैं, लेकिन जुर्माना लेकर बसें छोड़ दी जाती थीं। शहर में लगातार बिगड़ती ट्रैफिक व्यवस्था को देखते हुए इस बार प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए जब्त बसों को नहीं छोड़ा। इसके बाद ट्रैवल्स संचालक अरुण गुप्ता ने कार्रवाई को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। मामले की सुनवाई जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की बेंच में हुई। याचिका में मध्य प्रदेश सरकार, आरटीओ, फ्लाइंग स्क्वाड और इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा को पक्षकार बनाया गया। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि प्रशासन द्वारा बसों को सीज करने की कार्रवाई अवैध है और अधिकारियों पर कॉस्ट लगाई जानी चाहिए। उनका कहना था कि बसों को बिना उचित कारण के जब्त किया गया। वहीं शासन और प्रशासन की ओर से कोर्ट में कहा गया कि जुर्माना लेकर बसें छोड़ी जा सकती हैं, लेकिन ट्रैवल्स संचालक को भविष्य में सड़क पर बसें खड़ी करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। साथ ही बिना वैध पार्किंग व्यवस्था के संचालन पर भी रोक लगाने की मांग की गई।

हाईकोर्ट का सख्त आदेश- सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि निर्धारित जुर्माना जमा कराने के बाद बसों को छोड़ा जाए। हालांकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भविष्य में ट्रैवल्स संचालक सड़क पर अवैध रूप से बसें खड़ी नहीं कर सकेंगे और न ही बिना पार्किंग व्यवस्था के संचालन की अनुमति होगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि भविष्य में नियमों का उल्लंघन किया गया, तो प्रशासन को संबंधित पक्ष के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का अधिकार रहेगा।

पीएम मोदी और सीएम मोहन यादव की अपील का असर: इंदौर की जगह अब भोपाल के वन भवन में होगी क्षेत्रीय वन कार्यशाला

इंदौर/भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अपील को ध्यान में रखते हुए 15 मई को इंदौर की फाइव स्टार कन्वेंशन सेंटर में प्रस्तावित क्षेत्रीय कार्यशाला अब वन भवन भोपाल में आयोजित की जावेगी। इस कार्यशाला में केवल संबंधित वन वृत्तों इंदौर, खण्डवा एवं उज्जैन बन वृत्त के भारसाधक अधिकारी मुख्य वन संरक्षक एवं वन संरक्षक ही उपस्थित होकर अपने वृत्त का प्रस्तुतीकरण देंगे। वन मंडलाधिकारी अपने मुख्यालय पर रहकर इस कार्यशाला से ऑनलाइन जुड़ेंगे। पीसीसीएफ विकास पुरुषोत्तम धीमान ने बुधवार को जारी संशोधित आदेश के अनुसार विभिन्न वृत्तों में किये गये नवाचार एवं अनुभवों का लाभ लेने के लिये अन्य समस्त मुख्य वन संरक्षक एवं वन संरक्षक, क्षेत्र संचालक, कार्यआयोजना अधिकारी, वन मंडलाधिकारी (सामान्य, उत्पादन, सामाजिक वानिकी) एवं उपसंचालक अपने मुख्यालय से ऑनलाइन इस कार्यशाला में उपस्थिति सुनिश्चित करेंगे। कार्यशाला में ऑनलाइन सम्मलित होने के लिये लिंक पृथक से प्रदाय की जायेगी। 15 मई को इंदौर के पांच सितारा ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में आयोजित एक दिन की कार्यशाला में सैकड़ों लीटर पेट्रोल को व्यर्थ में फूंकने और अफसरों के स्वागत-सत्कार में लाखों रुपए खर्च होते, अब वन भवन भोपाल में कार्यशाला आयोजित होने से फिजूल खर्चों पर अंकुश लगेगा।

रणजीत टाइम्स

इंदौर जिले में जमीन डायवर्शन के नाम पर बड़ा खेल?

इंदौर जिले के कई तहसील कार्यालयों में जमीन डायवर्शन प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार जिन लोगों ने अपनी जमीन के डायवर्शन हेतु आवेदन लगाए हैं, उनके आवेदन "e-KYC Pending" बताकर महीनों से अटके हुए हैं।

सूत्रों का दावा है कि:

e-KYC के कारण सॉफ्टवेयर में डायवर्शन शुल्क स्वीकार नहीं हो रहा

आवेदन आगे नहीं बढ़ रहे

हजारों प्रकरण लंबित पड़े हैं

करोड़ों रुपये का राजस्व शासन को नहीं मिल पा रहा

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सरकार ऑनलाइन और पारदर्शी व्यवस्था की

बात करती है, तो फिर आम नागरिकों को बार-बार तहसील और पटवारी कार्यालयों के चक्कर क्यों लगाने पड़ रहे हैं? कई आवेदकों का आरोप है कि e-KYC अपडेट के नाम पर उन्हें परेशान किया जाता है और प्रक्रिया को जानबूझकर लंबा खींचा जाता है। यदि समय पर e-KYC हो सकती है तो फिर इतने आवेदन पेंडिंग क्यों हैं?

क्या यह केवल तकनीकी समस्या है?

या फिर इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है?

आखिर जिम्मेदार कौन? अब जरूरत है कि प्रशासन इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए ताकि आम जनता को राहत मिल सके और शासन का रुका हुआ राजस्व भी प्राप्त हो सके।

चंदन नगर पुलिस का नशे पर बड़ा प्रहार, 3 आरोपी गिरफ्तार

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना चंदन नगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से करीब 11.93 ग्राम ब्राउन शुगर और एक बजाज पल्सर मोटरसाइकिल जब्त की गई है।

बरामद मादक पदार्थ की कीमत लगभग 1 लाख 20 हजार रुपये से अधिक बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर शहर में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस उपायुक्त जोन-4 सुनील मेहता के मार्गदर्शन में थाना चंदन नगर प्रभारी निरीक्षक तिलक करोले ने विशेष टीम गठित कर कार्रवाई की। पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि आईटी पार्क पावर हाउस के पास कुछ युवक मादक पदार्थ की सप्लाई कर रहे हैं। घेराबंदी के दौरान बाइक सवार तीन युवक पुलिस को देखकर भागने लगे, जिन्हें पीछा कर पकड़ लिया गया। तलाशी में आरोपियों के पास से ब्राउन शुगर बरामद हुई।

पूछताछ में आरोपियों ने कम कीमत में मादक पदार्थ खरीदकर छोटे-छोटे टोकन बनाकर अधिक दामों में बेचने की बात कबूल

की। आरोपियों ने यह भी स्वीकार किया कि वे स्वयं भी नशे के आदी हैं और जल्दी पैसा कमाने व कर्ज चुकाने के लिए यह काम कर रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ थाना चंदन नगर में अपराध क्रमांक 609/2026 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब मादक पदार्थों की सप्लाई चैन और अन्य तस्करों के संबंध में पूछताछ कर रही है।

गिरफ्तार आरोपी

विवेक साल्वी (22) निवासी राज नगर, इंदौर

हार्दिक चौहान (22) निवासी नगीन नगर, इंदौर

विजय नरिया (19) निवासी भोलेनाथ कॉलोनी, एरोड्रम, इंदौर पुलिस के अनुसार आरोपियों के खिलाफ पहले से भी मारपीट, गाली-गलौज और धमकी जैसे प्रकरण दर्ज हैं। इस कार्रवाई में उप निरीक्षक सौरभ कुशवाह, मनोज भदौरिया, साबिर मंसूरी सहित थाना चंदन नगर की टीम की सराहनीय भूमिका रही।

राजबाड़ा में ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त, ई-रिक्शा और ऑटो पर प्रतिबंध के बावजूद नहीं मिल रही राहत

इंदौर का हृदय स्थल माना जाने वाला राजबाड़ा इन दिनों फिर से अव्यवस्थित यातायात और भीषण जाम की समस्या से जूझ रहा है। शहर की सबसे व्यस्त और ऐतिहासिक बाजारों में शामिल राजबाड़ा क्षेत्र में ट्रैफिक को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन और यातायात पुलिस द्वारा ई-रिक्शा एवं ऑटो संचालन पर कई बार प्रतिबंध लगाए गए, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि इन आदेशों का कोई खास असर दिखाई नहीं दे रहा। प्रतिबंध के बावजूद बड़ी संख्या में ई-रिक्शा और ऑटो चालक खुलेआम क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं और सड़कों पर मनमाने तरीके से वाहन खड़े कर सवारियां बैठाने-उतारने का काम कर रहे हैं। इसके चलते पूरे इलाके की यातायात व्यवस्था चरमरा गई है और आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। राजबाड़ा चौक पर सुबह से लेकर देर रात तक वाहनों का भारी दबाव बना रहता है। यहां बाजार, दुकानों, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और धार्मिक स्थलों के कारण हर दिन हजारों लोगों की आवाजाही होती है। ऐसे में जब ई-रिक्शा चालक सड़क के बीचोंबीच या किनारों पर अवैध रूप से वाहन खड़े कर देते हैं तो यातायात पूरी तरह प्रभावित हो जाता है। सबसे ज्यादा परेशानी दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वाले लोगों को उठानी पड़ रही है। कई बार तो स्थिति इतनी खराब हो जाती है कि कुछ ही मिनटों में लंबा जाम लग जाता है और लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने में काफी समय लग जाता है।

स्थानीय व्यापारियों और रहवासियों का कहना है कि प्रशासन द्वारा ई-रिक्शा पर रोक लगाने की घोषणा तो की गई थी, लेकिन उसका पालन कराने के लिए सख्ती नहीं दिखाई गई। परिणामस्वरूप अब ई-रिक्शा चालकों ने फिर से पूरे क्षेत्र में कब्जा जमा लिया है। पुलिस चौकी के आसपास तक ई-रिक्शा की लाइनें लगी रहती हैं। कई चालक घंटों तक सवारियों के इंतजार में वाहन खड़े रखते हैं, जिससे सड़कें संकरी हो जाती हैं और अन्य वाहनों की आवाजाही बाधित होती रहती है। बाजार क्षेत्र में खरीदारी करने आने वाले लोगों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यातायात विशेषज्ञों का मानना है कि शहर में तेजी से बढ़ती ई-रिक्शा की संख्या अब ट्रैफिक व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है। शहर में हजारों ई-रिक्शा बिना किसी स्पष्ट नियंत्रण व्यवस्था के सड़कों पर दौड़ रहे हैं। कई चालक ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करते। बिना संकेत दिए वाहन मोड़ना, गलत दिशा में वाहन चलाना, कहीं भी वाहन रोक देना और निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाना आम बात हो गई है। इसके अलावा कई ई-रिक्शा चालक तय किराए से अधिक राशि भी वसूल रहे हैं, जिससे यात्रियों में भी नाराजगी है।

राजबाड़ा क्षेत्र में स्थिति इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि यहां पहले से ही सड़कें अपेक्षाकृत संकरी हैं और दिनभर भारी भीड़ रहती है। ऐसे में जब ऑटो और ई-रिक्शा चालक मनमाने तरीके से संचालन करते हैं तो जाम की स्थिति और भयावह हो जाती है। कई बार एम्बुलेंस और आपातकालीन सेवाओं के वाहन भी जाम में फंस जाते हैं। राहगीरों का कहना है कि ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी के बावजूद व्यवस्था में सुधार नहीं हो पा रहा। कुछ समय के लिए कार्रवाई जरूर होती है, लेकिन उसके बाद फिर वही हालात बन जाते हैं।

व्यापारियों का कहना है कि जाम की समस्या के कारण ग्राहकों की संख्या पर भी असर पड़ रहा है। लोग अब भीड़ और अव्यवस्था से बचने के लिए राजबाड़ा आने से कतराने लगे हैं। त्योहारों और विशेष अवसरों पर स्थिति और अधिक खराब हो जाती है।

जब हजारों की संख्या में लोग बाजार पहुंचते हैं। उस समय ई-रिक्शा और ऑटो की अव्यवस्थित पार्किंग पूरे क्षेत्र को जाम में बदल देती है।

शहर में जोन वाइज ई-रिक्शा संचालन लागू करने की योजना भी अब तक पूरी तरह प्रभावी नहीं हो पाई है। प्रशासन ने अलग-अलग क्षेत्रों के लिए अलग संचालन व्यवस्था बनाने की बात कही थी ताकि एक क्षेत्र के ई-रिक्शा दूसरे क्षेत्रों में प्रवेश न करें और यातायात नियंत्रित रहे, लेकिन यह योजना अभी तक धरातल पर नजर नहीं आ रही। इसके कारण हर क्षेत्र में ई-रिक्शा की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है और यातायात पर दबाव भी बढ़ रहा है।

विपरीत परिस्थितियों पर पार पाने का सहज साधन-सहजयोग

आज का युग अत्यधिक प्रतिस्पर्धा, तनाव और असुरक्षा का युग बन गया है। हर व्यक्ति किसी न किसी चिंता से घिरा हुआ है — किसी को रोजगार की चिंता है, किसी को परिवार की, किसी को भविष्य की। छोटी-छोटी समस्याएँ भी मनुष्य को भीतर से तोड़ देती हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि मनुष्य ने बाहरी उपलब्धियों को तो महत्व दिया, परंतु अपने आंतरिक विकास को भूल गया। सहजयोग हमें सिखाता है कि यदि भीतर स्थिरता हो, तो बाहर का तूफ़ान भी हमें डिगा नहीं सकता ।

"सहज" का अर्थ है — स्वाभाविक, और "योग" का अर्थ है — जुड़ाव। अर्थात अपने वास्तविक स्वरूप, अपनी आत्मा और परम चेतना से स्वाभाविक रूप से जुड़ जाना ही सहजयोग है। जब मनुष्य अपने भीतर की शांति से जुड़ता है, तब बाहरी परिस्थितियाँ उसे अधिक देर तक विचलित नहीं कर पातीं।

जब व्यक्ति ध्यान के माध्यम से अपने विचारों को शांत करना सीखता है, तब उसका मन स्पष्ट और संतुलित हो जाता है। वह परिस्थितियों को भावनाओं के आवेग में नहीं, बल्कि विवेक और धैर्य से देखता है। परिणामस्वरूप समस्याएँ उसे बोझ नहीं लगतीं, बल्कि सीख और अनुभव का माध्यम बन जाती हैं। विपरीत परिस्थितियाँ वास्तव में मनुष्य की परीक्षा होती हैं। वे यह सिद्ध करती हैं कि व्यक्ति का आत्मबल कितना दृढ़ है। सहजयोग इस आत्मबल को जागृत करता है। यह मनुष्य को सिखाता है कि भय, क्रोध, ईर्ष्या और चिंता जैसी नकारात्मक भावनाएँ हमारी ऊर्जा को कमजोर करती हैं, जबकि प्रेम, क्षमा, संतोष और आत्मविश्वास हमें भीतर से शक्तिशाली बनाते हैं। सहजयोग केवल व्यक्तिगत शांति तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक और पारिवारिक जीवन में भी सामंजस्य लाता है। एक शांत और संतुलित व्यक्ति अपने परिवार, समाज और कार्यक्षेत्र में भी सकारात्मक वातावरण उत्पन्न करता है। वह दूसरों की समस्याओं को समझने लगता है, उसके भीतर करुणा और सहनशीलता बढ़ती है। इस प्रकार सहजयोग केवल ध्यान की पद्धति नहीं, बल्कि जीवन जीने की श्रेष्ठ कला बन जाता है। प्रकृति भी हमें यही संदेश देती है। नदी के मार्ग में कितनी ही चट्टानें आएँ, वह रुकती नहीं; बल्कि अपना मार्ग स्वयं बना लेती है। वृक्ष आँधी में झुक जाते हैं, इसलिए टूटते नहीं। उसी प्रकार सहजयोग मनुष्य को परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को संतुलित करना सिखाता है। यह हमें कठोर नहीं, बल्कि भीतर से लचीला और मजबूत बनाता है। अंततः कहा जा सकता है कि जीवन की कठिनाइयाँ समाप्त नहीं होंगी, परंतु उन्हें देखने का हमारा दृष्टिकोण बदल सकता है। सहजयोग यही परिवर्तन लाता है। यह मनुष्य को बाहरी परिस्थितियों का दास नहीं, बल्कि अपने मन और आत्मा का स्वामी बनाता है। सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है। सहजयोग की अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने जिला अस्पताल का किया सघन निरीक्षण; बेडशीट प्रतिदिन बदलने और ओपीडी स्टाफ का रोस्टर बनाने के दिए निर्देश

मरीजों से संवाद कर जानी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति; हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की ली जानकारी

दिलीप पाटीदार

धार धार कलेक्टर श्री राजीव रंजन मीना ने आज जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का व्यापक जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल के विभिन्न वार्डों, ओपीडी, आईसीयू, डायलिसिस यूनिट और बेबी केयर यूनिट सहित अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों का भ्रमण किया। वार्डों में स्वच्छता की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए कि मरीजों के बेड की

बेडशीट प्रतिदिन अनिवार्य रूप से बदली जाए। उन्होंने कहा कि मरीजों को संक्रमण मुक्त वातावरण प्रदान करना अस्पताल प्रबंधन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। ओपीडी के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पर्ची काउंटर पर लिए जाने वाले शुल्क की जानकारी ली। उन्होंने सुरक्षा के लिहाज से निर्देश दिए कि अस्पताल की गरिमा और शांति बनाए रखने के लिए किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को ओपीडी परिसर में प्रवेश न दिया जाए। साथ ही, उन्होंने ड्यूटीरत कर्मचारियों के लिए शिफ्ट अनुसार व्यवस्थित रोस्टर बनाने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को सेवाओं के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने वार्ड में भर्ती एक बालिका की माता से आत्मीय संवाद कर उपचार की जानकारी ली। महिला ने बताया कि बच्ची को दस्त की शिकायत के कारण भर्ती कराया गया था और अब वह स्वस्थ है। संवाद के दौरान महिला ने यह भी साझा किया कि डॉक्टर ने बालिका के कुपोषित होने के कारण उसे पोषण पुनर्वास केंद्र (NRC) में भर्ती करने की सलाह दी है। कलेक्टर ने हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (HRP) यूनिट, बेबी केयर यूनिट और डायलिसिस यूनिट का भी निरीक्षण किया और बेहतर उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के संदर्भ में डॉक्टरों ने बताया कि ऐसी महिलाओं की मॉनिटरिंग 'अनमोल पोर्टल' के माध्यम से की जा रही है और सुरक्षा की दृष्टि से उन्हें समय पूर्व ही अस्पताल में भर्ती कर लिया जाता है, ताकि मां और बच्चा दोनों सुरक्षित रहें। कलेक्टर ने टोबेको नियंत्रण केंद्र का भी अवलोकन किया।

उपस्थित स्टाफ ने बताया कि हम निरंतर टोबेको नियंत्रण हेतु काउंसलिंग कर रहे हैं तथा कार्यक्रम के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जा कर आमजन को जागरूक किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराए जाने हेतु आवशत निर्देश दिए। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन सहित वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध गांजा,हथियारों के साथ मुल्जिम गिरफ्तार

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल। अमलाई थाना पुलिस ने नशा तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान में एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने घेराबंदी कर एक सफेद रंग की स्कॉर्पियो वाहन से अवैध गांजा, देशी कट्टे और जिंदा कारतूस बरामद करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई जा रही है।

घेरा बंदी कर किया गिरफ्तार

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पेण्ड्रा-अनूपपुर की ओर से एक स्कॉर्पियो (CG-04-PU-7577) में कुछ लोग अवैध गांजा लेकर बिक्री के लिए शहडोल की ओर आ रहे हैं। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने बटुरा तिराहा पर घेराबंदी की। पुलिस को देखकर तस्करों ने वाहन को जंगल की ओर भगाने का प्रयास किया, लेकिन मुस्तैद टीम ने करीब 300 मीटर पीछा कर घेराबंदी की और वाहन में सवार सभी 5 व्यक्तियों को पकड़ लिया।

तलाशी में बरामद हुआ समान

तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से 1.567 किलोग्राम अवैध गांजा, 2 अवैध देशी कट्टे, 2 जिंदा कारतूस और 5 कीमती स्मार्टफोन बरामद हुए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उदयभान उर्फ दादू (शहडोल), आशीष गुप्ता (अनूपपुर), कपिल सोनी (अनूपपुर), मोहम्मद यूसुफ (छत्तीसगढ़) और प्रणव शर्मा (शहडोल) के रूप में हुई है।

पुलिस ने किया मामला दर्ज

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने यह माल दीपू सिंह और विकास जायसवाल से खरीदा था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट (NDPS Act) और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी भूपेन्द्रमणि पाण्डेय और उनकी टीम की मुख्य भूमिका रही।

राजगढ़ में 29 मई को "एक शाम श्री सोनाणा खेतलाजी के नाम" भव्य भजन संध्या का आयोजन

दिलीप पाटीदार

राजगढ़। श्री सोनाणा खेतलाजी के परम उपासक भक्त शिरोमणि शांतिलाल लादाजी भंडारी के दिव्य आशीर्वाद एवं राजेंद्र शांतिलाल भंडारी की प्रेरणा से राजगढ़ नगर में प्रथम वर्ष "एक शाम श्री सोनाणा खेतलाजी के नाम" भव्य भजन संध्या का आयोजन 29 मई को किया जाएगा। आयोजन में खेतलाजी भक्त हिमेश नाहटा का विशेष सानिध्य रहेगा।

कार्यक्रम की तैयारियों के तहत बुधवार को मोहनखेड़ा तीर्थ में राजगढ़ श्रीसंघ एवं प्रबुद्धजनों की उपस्थिति में पत्रिका लेखन का आयोजन किया गया। आयोजन समिति के अनुसार 29 मई, शुक्रवार को दोपहर 2 बजे पांचधाम एक मुकाम माताजी मंदिर से भव्य वरघोड़ा निकाला जाएगा। इसमें गजानंदजी, कुलदेवी माताजी एवं

श्री सोनाणा खेतलाजी की रजत प्रतिमाओं को दो रथों में विराजित कर नगर भ्रमण कराया जाएगा। शोभायात्रा में बैंड-बाजे, हाथी-घोड़े भी आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

यह वरघोड़ा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए मेला मैदान स्थित शिव वाटिका परिसर पहुंचेगा, जहां शाम 4 बजे गजाननजी, माताजी एवं खेतलाजी की स्थापना की जाएगी। शाम 7 बजे से भव्य भजन संध्या प्रारंभ होगी। कार्यक्रम में राजस्थान की सुप्रसिद्ध गायिका नीता नायक, दीपक राठौड़, बाल कलाकार कृशिव बागरेचा, जोड़ी नंबर वन धर्मेंद्र सिंह एवं हेमा सिंह अपनी प्रस्तुतियां देंगे। वहीं अशोक बंजारा द्वारा 1008 दीपकों से महाआरती प्रस्तुत की जाएगी। मंच संचालन प्रमोद परिहार करेंगे। भजन संध्या का मुख्य आकर्षण लक्की ड्रॉ रहेगा, जिसमें सोने-चांदी के सिक्कों सहित अन्य आकर्षक उपहार वितरित किए जाएंगे। श्री सोनाणा खेतलाजी भक्त मंडल एवं श्री खेतल शांति भक्त परिवार, राजगढ़ ने सभी श्रद्धालुओं, परिवारजनों और इष्ट मित्रों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

करैरा में पहली बार निकलेगी भव्य श्री जगन्नाथ ध्वज यात्रा, संत अनिरुद्ध वन जी महाराज करेंगे नेतृत्व

करैरा। बाबा भानगिर महाराज की तपोभूमि एवं श्री बगीचा सरकार की पावन नगरी करैरा में पहली बार भव्य श्री जगन्नाथ मंदिर ध्वज यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह ऐतिहासिक एवं धार्मिक यात्रा ग्वालियर संभाग के प्रसिद्ध संत, अद्भुत संत श्री

धूमेश्वर धाम के पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 अनिरुद्ध वन जी महाराज के सानिध्य में संपन्न होगी। आयोजन समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार यह भव्य पदयात्रा 17 मई, रविवार को शाम 4:00 बजे काली माता मंदिर से प्रारंभ होगी। यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए श्रद्धा, भक्ति और धर्ममय वातावरण का संदेश देगी तथा इसका समापन श्री जगन्नाथ जी मंदिर, बड़ा बाजार करैरा में किया जाएगा। ध्वज यात्रा को लेकर नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति ने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर यात्रा को सफल बनाने की अपील की है। इस दौरान भजन-कीर्तन, जयघोष एवं धार्मिक झांकियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। नगर में पहली बार आयोजित हो रही इस ध्वज यात्रा को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

राजगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध अंग्रेजी शराब सहित वाहन जप्त

कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब और वाहन जप्त, तस्करों में मचा हड़कंप।

दिलीप पाटीदार

राजगढ़। अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से राजगढ़ पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से परिवहन की जा रही अंग्रेजी शराब एवं एक वाहन को जप्त करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है।

पुलिस अधीक्षक धार श्री सचिन शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती पारूल बेलापुरकर के निर्देशन, व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सरदारपुर श्री विश्वदीपसिंह परिहार के मार्गदर्शन एवं राजगढ थाना प्रभारी समीर पाटीदार के नेतृत्व में दिनांक 13/05/26 की रात्रि में थाना राजगढ़ पुलिस को एक कार से दत्तीगांव ग्रिड के पास में दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई ,सूचना की तस्दीक पर थाना राजगढ़ से दौराने गस्त में सउनि सुनिल राजपूत, प्रधान आरक्षक नीरज मिश्रा सैनिक चालक जगदीश कच्छावा सूचना तस्दीक पर रवाना हुआ, सूचना तस्दीक पर इंदौर अहमदाबाद हाईवे पर थाना क्षेत्र के ग्राम दत्तीगांव में ग्रिड के पास में मारुति सुजुकी कंपनी की बिना नंबर की स्विफ्ट डिजायर कार को पावर ग्रिड के पास में दुर्घटनाग्रस्त अवस्था में कार पाई गई, कार को चेक किया गया, वाहन की तलाशी लेने पर कार की डिक्की में अंग्रेजी शराब भरी पाई गई। अज्ञात कार के इंजन नंबर ,चेचिस नंबर के माध्यम से वाहन मालिक व अज्ञात आरोपी की तलाश की जा रही है । तलाशी के दौरान कार से 14 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब (माउंट बियर 6000) कुल 168 बल्क लीटर, कीमत लगभग 46032 रुपए/- 08 पेटी लन्दन प्राइड 72 बल्क लीटर 68000/_ मारुति सुजुकी कंपनी की बिना नंबर की स्विफ्ट डिजायर कार कीमती 5,00,000/ को पुलिस द्वारा जप्त किया गया तथा। अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2), 46 आबकारी अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही हैं। आरोपी के विरुद्ध थाना राजगढ़ में धारा 34(2), 36 मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया हैं।

सराहनीय भूमिका

उक्त कार्यवाही में सहउपनिरिक्षक सुनिल राजपूत, प्रधान आरक्षक विपिन कटारा, प्रधानआरक्षक नीरज मिश्रा , आरक्षक दिलीप डुडवे, आरक्षक अमित, सैनिक जगदीश कछावा की सराहनीय भूमिका रही है।

हॉक फोर्स के उप निरीक्षक संजय चौधरी को मिला के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार

भोपाल/इंदौर। मध्यप्रदेश शासन द्वारा हॉक फोर्स में पदस्थ उप निरीक्षक संजय चौधरी को वर्ष 2021-22 के लिए प्रतिष्ठित के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 11 मई 2026 को उन्हें यह सम्मान प्रदान किया जाएगा।

यह पुरस्कार उन्हें साइबर अपराध और क्रिप्टो करेंसी धोखाधड़ी के बड़े मामले के खुलासे में उत्कृष्ट तकनीकी दक्षता और उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जा रहा है। उप निरीक्षक संजय चौधरी वर्तमान में हॉक फोर्स बालाघाट में पदस्थ हैं। इससे पहले वे इंदौर में राज्य साइबर सेल जोन में कार्यरत थे। इंदौर में पदस्थापना के दौरान उन्होंने एक अंतरराज्यीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश करने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसमें लोगों को क्रिप्टो आधारित निवेश प्रोजेक्ट में अधिक लाभ का लालच देकर ठगा जा रहा था।

जांच में सामने आया था कि आरोपी फर्जी KYC के जरिए नागरिकों के क्रिप्टो वॉलेट का दुरुपयोग कर रहे थे। इस ठगी में करीब 25 बिटकॉइन और 30 एथेरियम की हेराफेरी की गई थी, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 6 करोड़ 70 लाख रुपये बताई गई। मामले में थाना साइबर सेल, इंदौर में अपराध क्रमांक 116/21 दर्ज किया गया था। आरोपियों के खिलाफ आईटी एक्ट और भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान उप निरीक्षक संजय चौधरी ने तकनीकी विश्लेषण, डिजिटल फुटप्रिंट ट्रैकिंग, ट्रांजेक्शन लॉग और एक्सचेंज सर्वर के SSH लॉगिन डेटा का गहन अध्ययन कर महत्वपूर्ण सुराग जुटाए। उनकी तकनीकी सूझबूझ और पेशेवर दक्षता के आधार पर संदिग्ध क्रिप्टो वॉलेट्स में मौजूद WRX, BTC, ETH, USDT और DOGE जैसी क्रिप्टोकरेंसी को फ्रीज कराया गया।

इसी दौरान डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई गई और उत्तरप्रदेश से आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस कार्रवाई ने साइबर अपराध की जांच में तकनीकी विशेषज्ञता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया।

मध्यप्रदेश शासन ने साइबर अपराध नियंत्रण में उनके विशेष योगदान, तकनीकी दक्षता और उत्कृष्ट विवेचना को देखते हुए उन्हें के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार के लिए चयनित किया है। शासन द्वारा जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि उप निरीक्षक संजय चौधरी ने अत्यंत जटिल साइबर अपराध मामले में सराहनीय कार्य कर विभाग का गौरव बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि संजय चौधरी वर्तमान में हॉक फोर्स बालाघाट के कैंप बेहर में पदस्थ हैं और नक्सल विरोधी अभियानों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे लगातार सर्चिंग और ऑपरेशनल गतिविधियों में भाग लेकर सुरक्षा अभियानों को मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

WFH और गाड़ियों में कटौती...PM मोदी की अपील को अब तक कितने मुख्यमंत्रियों ने किया फॉलो?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से ईंधन बचत, कार्बन उत्सर्जन कम करने और संसाधनों के संयमित उपयोग को लेकर की गई अपील के बाद कई राज्यों ने अपने स्तर पर कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इसमें सरकारी वाहनों की संख्या कम करने से लेकर वर्क फ्रॉम होम और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने तक के उपाय शामिल हैं।

पीएम के काफिले में भी दिखा असर-पीएम मोदी की पहल के बाद उनके सरकारी काफिले में भी गाड़ियों की संख्या सीमित की गई है। हाल ही में गुजरात और असम दौरे के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल को बनाए रखते हुए काफिले को छोटा किया गया। हालांकि, सुरक्षा में किसी तरह की कमी नहीं की गई है।

मध्य प्रदेश में 13 से 8 गाड़ियों तक सीमित हुआ काफिला-मध्य प्रदेश सरकार ने सबसे पहले इस दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने काफिले में गाड़ियों की संख्या 13 से घटाकर 8 कर दी है। साथ ही दौरों के दौरान वाहन रैलियों पर भी रोक लगाने का फैसला लिया गया है।

दिल्ली में कार पूल और कम गाड़ियों पर जोर-दिल्ली सरकार ने भी इस अपील को गंभीरता से लेते हुए बड़ा निर्णय लिया है। सीएम रेखा गुप्ता ने सभी मंत्रियों, विधायकों और अधिकारियों को कम से कम गाड़ियों के उपयोग और कार पूल व सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं।

उत्तर भारत में बारिश-तूफान की चेतावनी तो राजस्थान-एमपी में लू का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कई राज्यों के लिए लू की नई चेतावनी जारी की है, जिसमें आगाह किया गया है कि सामान्य से अधिक तापमान और रात में गर्मी की स्थिति 18 मई तक जारी रहने की संभावना है। भारत में इस समय मौसम में बदला स्वरूप देखने को मिल रहा है। एक तरफ जहां उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में तूफान, ओलावृष्टि और भारी बारिश हो रही है, वहीं दूसरी तरफ देश के मध्य और पश्चिमी हिस्से भीषण लू की चपेट में हैं।

इस बीच, दिल्ली-एनसीआर और उत्तर-पश्चिमी भारत के कुछ हिस्सों में 13 से 16 मई के बीच बारिश और तेज हवाएं चलने की उम्मीद है, जिससे बढ़ते तापमान से कुछ समय के लिए राहत मिलेगी।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने उत्तर-पश्चिमी, मध्य और पश्चिमी भारत के कई हिस्सों के लिए व्यापक लू की चेतावनी जारी की है और आने वाले दिनों में भीषण गर्मी की स्थिति रहने का पूर्वानुमान लगाया है। ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, राजस्थान और पश्चिमी मध्य प्रदेश के कई स्थानों पर लू चलने की संभावना है और 12 से 18 मई

इन हिस्सों में हीटवेव का अलर्ट

के बीच कुछ अलग-अलग इलाकों में भीषण लू की स्थिति भी बन सकती है। वहीं, पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में 15 मई तक रातें गर्म बनी रह सकती हैं। मौसम विभाग ने आगे चेतावनी दी है कि विदर्भ में 16 मई तक गुजरात और मध्य महाराष्ट्र में 14 मई तक मराठवाड़ा में 15 मई तक और कोंकण तथा गोवा में 12 मई को भीषण गर्मी जारी रह सकती है। आईएमडी के मुताबिक, 12 से 18 मई के बीच मध्य भारत में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2ए सेल्सियस से 4ए सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है, जबकि पूर्वी भारत में 16 मई तक 2ए सेल्सियस से 3ए सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों ने लंबे समय तक चली इस भीषण गर्मी का कारण साफ आसमान, शुष्क मौसम और पश्चिमी भारत के ऊपर मौजूद एंटी-साइक्लोनिक सर्कुलेशन पैटर्न को बताया है। वहीं, बड़े शहरों में अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव के कारण रात के समय होने वाली बेचैनी और भी बढ़ गई है। पानी पीते रहें, हल्के सूती कपड़े पहनें और दोपहर के सबसे गर्म समय में बाहर की गतिविधियों से दूर रहें। बुजुर्गों, बच्चों और पहले से किसी स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे लोगों से विशेष सावधानी बरतने का आग्रह किया गया है। मौसम विभाग ने मछुआरों के लिए भी चेतावनी जारी की है, जिसमें उन्हें सलाह दी गई है कि आने वाले दिनों में तूफानी मौसम की स्थिति के कारण वे बंगाल की खाड़ी, मन्नार की खाड़ी और आस-पास के तटीय क्षेत्रों के कई हिस्सों में न जाएं।

अब चार सप्ताह पहले ही मिल जाएगी वेदर रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को दो नई सेवाएं शुरू कीं। इनमें एक एआई-सक्षम मानसून अग्रिम पूर्वानुमान प्रणाली है, जो 16 राज्यों और 3,000 से अधिक उप-जिलों के किसानों की मदद के लिए मौसमी बारिश की प्रगति और डाउनस्केलिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है और इसमें ऑटोमेटिक बारिश-मापक यंत्रों, ऑटोमेटिक मौसम केंद्रों, डॉप्लर मौसम रडारों तथा सेटेलाइट-बेस्ड बारिश डेटासेट से मिली जानकारी को इकट्ठा किया जाता है। मोबाइल एप्लिकेशन, एसएमएस अलर्ट, व्हाट्सएप,

स्थानीय मौसम की जानकारी चार सप्ताह पहले तक उपलब्ध कराएगी। दूसरे प्रोडक्ट को एक पायलट सर्विस के तौर पर शुरू किया गया है, जो उत्तर प्रदेश के लिए हाई-रिजॉल्यूशन वाला स्थानीय बारिश का पूर्वानुमान लगाएगा। यह घने ऑब्जर्वेशनल नेटवर्क और एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके 1 किमी. रिजॉल्यूशन पर 10 दिन पहले तक बारिश का ऑपरेशनल पूर्वानुमान तैयार कर सकता है।

ऑब्जर्वेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर के लगातार विस्तार के साथ ऐसी ही सेवाएं धीरे-धीरे देश के दूसरे हिस्सों तक भी बढ़ाई जाएंगी। यह पायलट सिस्टम एआई-आधारित एडवांस किसान पोर्टल, अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म और टेलीविजन जैसे अलग-अलग माध्यमों के उपयोग के अलावा सब्जियों और अन्य बाजारों में लगाए गए डिस्प्ले के माध्यम से भी स्थानीय मौसम पूर्वानुमान की जानकारी प्रसारित की जाएगी। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि ये उत्पाद पारंपरिक मौसम पूर्वानुमान से हटकर, प्रभाव-आधारित और निर्णय-सहायक पूर्वानुमान की ओर एक बड़ा बदलाव हैं; जो किसानों, प्रशासकों, आपदा प्रबंधकों और नागरिकों को सटीक, स्थान-विशेष और कार्रवाई योग्य जानकारी प्रदान करने में सक्षम हैं।

दिल्ली में 30 जून तक बंद रहेगा यह रास्ता, रूट डायवर्जन को लेकर एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी जारी कर यात्रियों को सतर्क किया है। गाजियाबाद-सराय काले खां मार्ग पर चल रहे मरम्मत एवं सड़क मजबूती के कार्यों के कारण अगले महीने जून तक यातायात प्रभावित रहेगा। अधिकारियों ने वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है ताकि यात्रियों को कम से कम असुविधा हो। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के गाजियाबाद से सराय काले खां कैरिजवे पर मेंटेनेंस और कार्पेटिंग का कार्य कर रहा है। जून 2026 तक चलने वाले इस काम के दौरान इस खंड पर यातायात प्रभावित रहेगा। गाजियाबाद से दिल्ली की ओर जाने वाले वाहन चालकों को ह॥-24 को वैकल्पिक मार्ग के रूप में इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। 11 मई 2026 से 17 मई 2026 तक उद्योग नगर रोहतक रोड से मंगलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया की ओर जाने वाले वाहनों को ऋक्क मंगलपुरी के रास्ते जाने की अनुमति नहीं होगी। इस दौरान ड्रेनेज सिस्टम और अप्रोच रोड की मरम्मत का काम किया जाएगा। वैकल्पिक मार्ग के रूप में यात्रियों को पीरागढ़ी चौक से आउटर रिंग रोड और मंगलपुरी का रास्ता अपनाने की सलाह दी गई है। वापसी में भी आउटर रिंग रोड से पीरागढ़ी चौक और रोहतक रोड का उपयोग करना होगा।

आईपीएल ब्लैक टिकटिंग में नया खुलासा, डीडीसीए के कॉम्प्लीमेंट्री पास बेचने वाला पेट्रोल पंप सुपरवाइजर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल टिकटों और कॉम्प्लीमेंट्री पास की कालाबाजारी मामले में क्राइम ब्रांच ने पंकज यादव नाम के एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। पंकज यादव करीब 12 सालों से अधिक समय से स्टेडियम के पास स्थित पेट्रोल पंप में बतौर सुपरवाइजर तैनात था। पेट्रोल पंप मैनेजर के अवकाश पर रहने के दौरान वह मैनेजर का काम भी देखता था। पुलिस के मुताबिक पंकज यादव की डीडीसीए के पदाधिकारियों से अच्छी जान पहचान है। इसलिए वह डीडीसीए के पदाधिकारियों से कॉम्प्लीमेंट्री पास लेकर उसे टिकट और पास ब्लैक करने वाले गिरोह को बेच देता था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी संजीव कुमार यादव का कहना है कि पंकज यादव, मूलरूप से बागपत का रहने वाला है।इस मामले में पास व टिकट बेचने के आरोप में पहले तीन सदस्यों के पकड़े जाने के बाद पुलिस से बचने के लिए पंकज ने अपने एक मोबाइल को फार्मेट कर दिया और दूसरे फोन का हैंड सेट बदल लिया। पुलिस उसके फोन का डाटा रिकवर करने व पूछताछ करने के लिए एक सप्ताह का रिमांड लेने की कोशिश कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किन-किन लोगों से पास लेता था। इस मामले में अब तक दलाल व गिरोह के सदस्य ही पकड़े गए हैं। ये लोग पास और टिकट किन-किन पदाधिकारियों से लेते थे मुख्य कड़ी में शामिल उन पदाधिकारियों की अब पहचान करने की कोशिश की जा रही है ताकि उन्हें भी जल्द गिरफ्तार किया जा सके। बीते आठ मई को क्राइम ब्रांच ने मुकीम (मुरादाबाद), गुफरान उर्फ साजिद (जामिया नगर) और मोहम्मद फैसल (सीलमपुर) नाम के जिन तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया था। उनसे पूछताछ कर जेल भेज दिया गया। तीनों ने सोमवार को तीस हजारी कोर्ट में जमानत के लिए याचिका दायर की थी। उन्हें कोर्ट ने जमानत देने से इंकार कर दिया। बुधवार को क्राइम ब्रांच कुछ पदाधिकारियों को पूछताछ में शामिल होने के लिए नोटिस भेज सकती है। उन्हें क्राइम ब्रांच के कार्यालय में जांच में शामिल होना पड़ेगा। अप्रैल 2025 में भी आइपीएल मैचों के दौरान स्टेडियम के आसपास` छिटपुट गिरफ्तारियां हुई थीं। पुलिस ने लोगों की शिकायतों पर स्टेडियम के विभिन्न गेटों से चार आरोपित को गिरफ्तार किया था। वे लोग 500 के टिकट को दो से तीन हजार में बेच रहे थे। 2023 में मध्य जिला पुलिस ने पांच लोगों को पकड़ा था।

समाज सुधार के नाम पर धार्मिक स्वतंत्रता का हनन नहीं हो सकता', सबरीमाला केस में सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर संविधान के तहत मिले धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लंघन नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने यह भी कहा कि संविधान निर्माताओं ने समाज की जरूरतों को ध्यान में रखकर प्रविधान बनाए थे और नौ जजों की संविधान पीठ भी उस मूल संतुलन को नहीं बदल सकती। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ सबरीमाला मंदिर समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के प्रवेश से जुड़े मामलों और विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे पर सुनवाई कर रही है।

पीठ में न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना, एमएम सुंदरेश, अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, अरविंद कुमार, आगस्टीन जार्ज मसीह, प्रसन्ना बी वराले, आर महादेवन और जोयमाल्या बागची भी शामिल हैं।

सुनवाई के दौरान केरल सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जयदीप गुप्ता ने कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म के मूल तत्वों को समाप्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण पहलू पूजा का अधिकार है और यह पवित्र स्थलों पर संपन्न होता है। यदि इसे बाधित किया जाता है तो श्रद्धालुओं के अधिकारों का उल्लंघन होगा।

इस पर न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने कहा, 'सामाजिक सुधार के नाम पर अनुच्छेद 25(1) के तहत धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का हनन नहीं किया जा सकता।'' वरिष्ठ अधिवक्ता विजय हंसरिया ने दलील दी कि सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर रोक का आधार उनकी मासिक धर्म आयु है और मासिक धर्म को अब भी वर्जना के रूप में देखा जाता है। इस पर न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि यह नजरिये का सवाल है और महत्वपूर्ण यह है कि श्रद्धालु इसे किस रूप में देखते हैं। सीजेआइ सूर्यकांत ने कहा कि यदि जनता अपने निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से किसी मुद्दे पर सामाजिक सुधार की मांग करती है, तो अदालत उसे स्वीकार कर सकती है। लेकिन यदि लोगों की इच्छा के विरुद्ध कुछ थोपा जाता है, तो अदालत हस्तक्षेप कर सकती है। वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि तर्कवादी लोग धर्म समेत हर चीज को तर्क की कसौटी पर परखते हैं।

विराट आलोचना नहीं झेल पाते

● पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने टॉस के दौरान का बताया वाकया

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना ??है कि विराट कोहली आलोचना नहीं झेल पाते हैं। उनका दावा है कि कोहली अपने बारे में कही गई हर बात को पढ़ते और सुनते हैं। मांजरेकर ने उन घटनाओं के बारे में बताया जब टॉस के समय कोहली ने आलोचना के बाद उन्हें 'ठंडा' जवाब दिया था। मांजरेकर ने कहा कि कोहली कहते हैं कि उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि लोग उनके बारे में क्या कहते हैं या क्या सोचते हैं, लेकिन भारत के पूर्व कप्तान मैदान पर अपने प्रदर्शन के जरिए आलोचना या नकरात्मकता का जवाब देना चाहते हैं। मांजरेकर ने स्पोर्टस्टार के इनसाइट एज पॉडकास्ट पर कहा,'कोहली ऐसे इंसान हैं जो आलोचना नहीं झेल पाते हैं। मुझे लगता है कि उन्हें पता चल जाता है कि उनके बारे में क्या कहा जा रहा है क्योंकि मेरा उनके साथ एक कप्तान और एक खिलाड़ी के तौर पर अनुभव रहा है। अचानक एक दिन मैंने उन्हें टॉस के समय या कहीं और बहुत ठंडा पाया और मुझे लगा शायद उन्होंने अपने बारे में कही गई कोई बात सुन ली है।'

आलोचना से बड़ा शतक जड़ने के लिए प्रेरणा

मांजरेकर ने कहा, 'वह उन लोगों में से एक है जो कहते रहे हैं कि हमें इस बात की परवाह नहीं है कि लोग क्या कहते हैं और क्यों कहते हैं, लेकिन वह बहुत भावुक भी हैं। शायद यह एक अच्छी बात भी है क्योंकि अगर वह इस तरह की आलोचना या कुछ नकारात्मक सुनते हैं तो इससे उन्हें बड़ा शतक जड़ने के लिए प्रेरणा मिलती है।'

मांजरेकर ने मैदान पर कोहली की ऊर्जा की तारीफ की और कहा कि इससे टीम का हौसला बढ़ाने में मदद मिलती है। विराट कोहली की कप्तानी में हर खिलाड़ी को विराट कोहली जैसा बनना था मांजरेकर ने कहा, 'कप्तान के तौर पर उनके बारे में अच्छी बात यह थी कि जब चीजें खराब चल रही थीं जब उन्हें पता था कि पिच या गेंदबजी के साधनों को देखते हुए वे विकेट नहीं ले पाएंगे तब भी वे यह पक्का करते थे कि टीम जोश में रहे। मैदान पर ऊर्जा बनी रहे। उन्होंने उन्हें यकीन दिलाया कि चीजें होंगी। मुझे लगता है कि यही उनकी सबसे बड़ी ताकत थी। मेरा हमेशा से मानना ??रहा है कि टीम कप्तान जैसा होता है वैसी ही होती है। विराट कोहली की कप्तानी में हर खिलाड़ी को विराट कोहली जैसा बनना था। अगर कोई मैदान पर जाकर थोड़ा भी ढीला दिखता तो वह अगला टेस्ट मैच नहीं खेल पाता। इसलिए सभी ने विराट के आक्रमकता को अपनाया।'

गुजरात टाइटंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रन से हराया

पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंची GT

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में मंगलवार 12 मई 2026 को गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मैच खेला गया। आईपीएल 2026 के 56वें मैच में गुजरात टाइटंस ने हरफनमौला प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद को 82 रन से हरा दिया। आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस की यह लगातार पांचवीं जीत है। गुजरात टाइटंस अब आईपीएल 2026 की अंक तालिका में पहले स्थान पर है, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद तीसरे स्थान पर बनी हुई है। लगातार पांचवीं जीत के बाद गुजरात टाइटंस के अब 12 मैच में 16 अंक हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के 12 मैच में 14 अंक हैं। गत चैंपियन आरसीबी के 11 मैच में 14 अंक हैं।

● **सनराइजर्स हैदराबाद 86 रन पर ढेर हो गई–** सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने मंगलवार रात अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेले गए मैच में टॉस जीता और फील्डिंग चुनी। साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर के अर्धशतकों की मदद से शुभमन गिल की अगुआई वाली गुजरात टाइटंस ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 168 रन बनाये। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद 14.5 ओवर में 86 रन पर ढेर हो गई।

● **SRH ने 60 रन पर गंवा दिये थे सात विकेट–** एक समय सनराइजर्स हैदराबाद ने महज 60 रन पर ही 7 विकेट गंवा दिये थे। कगिसो रबाडा प्लेयर ऑफ द मैच चुने गये। कगिसो रबाडा ने सनराइजर्स हैदराबाद के शीर्ष क्रम की बखिया उधेड़ते हुए 4 ओवर में 28 रन देकर तीन विकेट लिए, जबकि जेसन होल्डर ने 4 ओवर में 20 रन देकर तीन विकेट चटकाये।

गर्मी में पेट ठंडा रखने वाले बेल के शरबत को न पिएं ये लोग? एक्सपर्ट ने बताया

गर्मी में क्यों पसंद किया जाता है बेल का शरबत गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडक देने और पेट को आराम पहुंचाने के लिए बेल का शरबत काफी लोकप्रिय है। इसकी तासीर ठंडी मानी जाती है और इसमें फाइबर, विटामिन व मिनरल्स भी पाए जाते हैं, जो पाचन के लिए फायदेमंद होते हैं।

किन लोगों को नहीं पीना चाहिए बेल का शरबत- हालांकि यह हेल्दी ड्रिंक है, लेकिन कुछ लोगों को इसका सेवन सावधानी से करना चाहिए। डायबिटीज के मरीजों को इसमें मौजूद प्राकृतिक शुगर के कारण सीमित मात्रा में ही सेवन करना चाहिए। वहीं जिन लोगों को सर्दी-जुकाम, कफ या एलर्जी की समस्या रहती है, उन्हें भी इसे ज्यादा मात्रा में नहीं पीना चाहिए।

पाचन संबंधी समस्या वालों को भी रखें ध्यान- जिन लोगों का पाचन तंत्र कमजोर है या जिन्हें बार-बार ब्लोटिंग और गैस की समस्या होती है, उन्हें भी बेल का शरबत डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही लेना चाहिए, क्योंकि हर शरीर पर इसका असर अलग हो सकता है।

ज्यादा सेवन से हो सकती है परेशानी-किसी भी चीज की तरह बेल का शरबत भी सीमित मात्रा में ही फायदेमंद है। इसका अधिक सेवन कभी-कभी पेट में भारीपन या अपच जैसी समस्या पैदा कर सकता है। गर्मी में बेल का शरबत जरूर फायदेमंद है, लेकिन हर व्यक्ति के लिए नहीं।

आज के लिए नहीं बल्कि, भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'चांद मेरा दिल' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अनन्या ने हाल ही में अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की। इसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में लेना जाना चाहती हैं। अनन्या कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनके पास योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं। अभिनेत्री का उद्देश्य अब एक ऐसी फिल्में बनाना है, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें।

उन्होंने कहा, 'मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे।' अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है। उन्होंने बताया, 'फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं।' अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म 'चांद मेरा दिल' का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। फिल्म में अनन्या पांडे 'चांदनी' और लक्ष्य 'आरव' के रूप में नजर आएंगे। 'चांद मेरा दिल' 22 मई सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अभिषेक बच्चन ने नहीं ली 'राजा शिवाजी' के लिए कोई फीस

रितेश देशमुख की फिल्म 'राजा शिवाजी' सिनेमाघरों में लगी है। फिल्म को काफी तारीफें मिली हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी यह अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच ऐसी खबर आई कि फिल्म के लिए कुछ सितारों ने बिल्कुल फीस नहीं ली। इनमें अभिषेक बच्चन भी शामिल हैं, जिन्होंने फीस के तौर पर सिर्फ रितेश देशमुख की मां के हाथ के ठेंचा (एक किस्म की चटनी) की डिमांड की थी। अभिषेक बच्चन यह फिल्म बिना फीस के करने को राजी क्यों हुए?

'ओमकारा' और 'कर्तव्य' की तुलना पर सैफ अली खान ने दी राय

सैफ अली खान नई फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आएंगे, जो ओटीटी पर रिलीज होगी। उन्होंने अपनी नई फिल्म 'कर्तव्य' और पुरानी फिल्म 'ओमकारा' के किरदारों की तुलना पर अपनी राय दी है।

फिल्मों की तुलना पर सैफ की राय

जब सैफ से पूछा गया कि पवन सिंह (कर्तव्य) और लंगड़ा त्यागी (ओमकारा) के किरदारों में समानता है या नहीं, तो सैफ ने कहा, 'ओमकारा' की वजह से ही निर्देशक पुलकित को विश्वास हुआ कि वह पवन की भूमिका अच्छे से निभा सकते हैं।' सैफ ने आगे बताया कि 'ओमकारा' फिल्म के बाद लोग उन्हें एक गंभीर अभिनेता के रूप में मानने लगे।

यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है

मीडिया से बात करते हुए सैफ ने कहा, 'अगर कोई जुड़ाव है तो यह कि लोग सोचते हैं मैं शहर में बड़ा हुआ हूं और थोड़ी अंग्रेजी बोलता हूं। लेकिन पुलकित जैसे निर्देशक ने 'ओमकारा' देखी होगी, इसलिए उन्हें पता है कि मैं अलग-अलग तरह के किरदार निभा सकता हूं। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।' उन्होंने आगे कहा कि दोनों किरदारों में सिर्फ बोली की कुछ समानता हो सकती है।

दूसरों के बारे में बहुत जल्दी राय बना लेते हैं

सैफ ने आगे कहा, 'हम लोग दूसरों के बारे में बहुत जल्दी राय बना लेते हैं। लोग कहते हैं कि 'यह नहीं कर सकता' या 'वह नहीं कर पाएगा'। इसलिए 'ओमकारा' की वजह से लोग मुझे अब गंभीरता से लेते हैं, इसके लिए विशाल भारद्वाज को बहुत-बहुत धन्यवाद। पुलकित ने 'ओमकारा' देखी और सोचा कि मैं यह भूमिका कर सकता हूं। देसी लहजे को सीखना और समझना बहुत मजेदार है, मुझे इसमें बहुत आनंद आता है।'

कब रिलीज होगी 'कर्तव्य' सैफ अली खान क्राइम थ्रिलर फिल्म 'कर्तव्य' में नजर आएंगे। यह फिल्म 15 मई 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। इस फिल्म को पुलकित ने निर्देशित किया है। इस फिल्म को शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान ने प्रोड्यूस किया है।

मध्यप्रदेश में जानलेवा गर्मी 75 साल का रिकॉर्ड टूट गया

● 11 जिलों में 4 दिन लू का अलर्ट ● पांढुर्णा में बारिश, सिवनी में ओले भी गिरे, भोपाल, इंदौर-शाजापुर में तेज धूप

● रतलाम में 46.5 डिग्री पारा, मौसम विभाग ने दिया भीषण लू और वार्म नाइट अलर्ट

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है। रतलाम में 75 साल का रिकॉर्ड तोड़ते हुए दिन का तापमान 46.5 डिग्री तक उछल गया। यहां प्रदेश में सबसे अधिक है। लगभग पूरे प्रदेश में तापमान 40 से 46 डिग्री के बीच है। मौसम विभाग ने आगामी एक हफ्ते में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में भीषण गर्मी, हीटवेव और बॉर्म नाईट का ऑरेंज-यलो अलर्ट दिया है। बुधवार को सिवनी में तेज हवा के साथ बारिश हुई। ग्रामीण इलाकों में ओले भी गिरे। पांढुर्णा में भी शाम को पानी गिरा। भोपाल में सुबह बादल छाए रहे। फिर तेज धूप निकली। रतलाम और आगर-मालवा में बादलों की वजह से उमस बनी रही। वहीं, बालाघाट में काले बादल छाए रहे। हवा चलने से तपन से लोगों को हल्की राहत मिली। शाजापुर में तपिश बरकरार रही।

मौसम विभाग के मुताबिक, इंदौर और उज्जैन संभाग के 15 में से 11 जिले अगले 4 दिन तक लू की चपेट में रहेंगे। भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में भी हीट वेव चलेगी। विभाग ने सिवनी, छिंदवाड़ा और बालाघाट में ओले गिरने का अलर्ट भी जारी किया है। पांढुर्णा, बैतूल, मंडला, डिंडौरी, अनूपपुर, शहडोल, नरसिंहपुर, जबलपुर, देवास, सतना, रायसेन, सागर और दमोह में भी मौसम बदला रह सकता है।

एमपी के इन शहरों में भीषण लू का यलो और ऑरेंज अलर्ट- आईएमडी ने मध्य प्रदेश के 19 जिलों में भीषण लू और गर्म रात्रि का अलर्ट जारी किया है। यलो अलर्ट वाले शहरों में राजगढ़, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, देवास, शाजापुर, आगर शामिल हैं। वहीं रतलाम में तीव्र उष्ण लहर अर्थात भीषण लू का ऑरेंज अलर्ट दिया गया है। इसी प्रकार धार, इंदौर और उज्जैन में भी तेज लू का प्रकोप रहेगा। यहां गर्म रात्रि को लेकर भी अलर्ट है।

दूसरे हिस्से में गरज-चमक और बौछारों की संभावना

प्रदेश में मौसम कई महीनों से अलग-अलग हिस्सों में मौसम के दोहरे रूप दिखा रहा है। इसमें गुरुवार के लिए बैतूल, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट, पांढुर्णा जिलों में कहीं-कहीं पर बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई। शाम के बाद इन इलाकों में गर्मी से हल्की राहत मिल सकती है। बाकी पूरा प्रदेश शुष्क रहेगा।

प्रदेश में अगले 5 दिनों का मौसम का अलर्ट

- 14 मई: रतलाम, मंदसौर, नीमच, खरगोन, खंडवा में लू का असर
- 15 मई: भोपाल, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम समेत कई जिलों में गर्म हवाएं
- 16 मई: ग्वालियर-चंबल और मालवा क्षेत्र में तेज आंधी और गरज-चमक
- 17 मई: पश्चिमी और उत्तरी एमपी में तापमान 44 डिग्री के पार जा सकता है

रातों को जागे किसी ने कमरे में काटे महीने

नीट परीक्षा कैंसिल होने से सदमे में छात्र, भोपाल में 19000 ने दिया था एग्जाम

भोपाल (नप्र)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 की तैयारी कर रहे हजारों छात्रों के लिए यह समय किसी बुरे सपने से कम नहीं है। पेपर लीक के गंभीर आरोपों के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा परीक्षा रद्द किए जाने के फैसले ने भोपाल समेत देशभर के छात्रों को गहरे तनाव में डाल दिया है।

छात्रों का टूटा हौसला- भोपाल की एक छात्रा ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि यह केवल एक परीक्षा नहीं थी, बल्कि महीनों की रातों की नींद और मेहनत का परिणाम था। उन्होंने बताया कि जब घर से फोन आया कि परीक्षा रद्द हो गई है, तो उन्हें यकीन ही नहीं हुआ। भोपाल में एनएसयूआई ने भी इस मुद्दे पर प्रदर्शन किया और जवाबदेही तय करने की मांग की।

कोचिंग और मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट्स की राय

कोचिंग संस्थान चलाने वाले अमित गुप्ता का कहना है कि छात्र दिन में 14 से 15 घंटे पढ़ाई करते हैं। ऐसी घटनाओं से वे डिमोटिवेट हो जाते हैं और उनमें मानसिक तनाव बढ़ जाता है। वहीं, मनोविज्ञान के प्रोफेसर विनय मिश्रा ने छात्रों को सलाह दी है कि वे इस वास्तविकता को स्वीकार करें और नई ऊर्जा के साथ दोबारा तैयारी में जुटें। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की है कि वे बच्चों पर दबाव बनाने के बजाय उन्हें प्रोत्साहित करें।

करोंद में बिल्डिंग में आग

केएफसी आउटलेट के पास उठीं आग की लपटें; एसी और फर्नीचर जला

भोपाल (नप्र)। भोपाल के करोंद स्थित एक चार मंजिला बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर में बुधवार को आग लग गई। इस बिल्डिंग में केएफसी आउटलेट है। इसके ठीक पास में लगे एयर कंडिशनर समेत फर्नीचर जल गया। आग की वजह से इलाके में हड़कंप मच गया। अफरा-तफरी के माहौल के बीच आग पर काबू पाया गया। इससे कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपए का नुकसान हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने के दौरान बिल्डिंग में भीड़ नहीं थी। इस वजह से बड़ा हादसा टल गया। प्रशासन नुकसान का आकलन लगा रहा है।

नंदानगर अस्पताल पर 20 लाख का किराया बाकी

इंदौर। मजदूरों के हितों के लिए बनाई गई गांधी मजदूर स्मारक ट्रस्ट की जमीन (Rent) का किराया वर्षों से अटका हुआ है। ट्रस्ट ने आरोप लगाया है कि स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग ट्रस्ट की जमीन पर अस्पताल और स्कूल संचालित कर रहे हैं, लेकिन किराया नहीं दे रहे। ट्रस्ट ने लगभग 20 से 22 लख रुपए का किराया बाकी होने का हवाला देते हुए बताया कि नगर निगम ने लगभग 2 लाख का प्रॉपर्टी टैक्स भरने का नोटिस दिया है। परेशान ट्रस्ट के मंत्री ने कहा कि अब यदि जेल भी जाना पड़ा तो जाऊंगा, लेकिन किराया नहीं मिला तो बिल्डिंग में ताले लगा दूंगा। गांधी मजदूर स्मारक ट्रस्ट के मंत्री लक्ष्मीनारायण मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय की जनसुनवाई में गुहार लगाने पहुंचे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मामले का निराकरण करने की बजाय विभाग उलझने का काम कर रहा है कलेक्टर के सामने ही सीएमएचओ और ट्रस्ट के मंत्री के बीच कहासुनी की नौबत आ गई। मामले में मामले में कलेक्टर शिवम वर्मा ने दोनों विभागों को जल्द निराकरण के निर्देश दिए हैं।